2021-22 खरीफ मौसम में अनाज फ़सलों में धान का सकल प्रतिलाभ सबसे अधिक

भारत में 2020-21 खरीफ विपणन मौसम के दौरान अनाज फ़सलों में खेती की लागत पर धान का औसत सकल प्रतिलाभ सबसे अधिक था। कृषि लागत और मूल्य आयोग (सी ए सी पी) की गणना के अनुसार, 2021-22 में समाप्त तीन वर्षों की अवधि के दौरान खेती की लागतों ए2 (यानी वास्तविक भुगतान की गई लागत) और ए2+एफएल (यानी वास्तविक भुगतान की गई लागत व पारिवारिक श्रम का संकेतक मूल्य) पर धान की औसत सकल प्रतिलाभ क्रमशः 35,919 रुपये प्रति हेक्टेयर या 14,367.6 रुपये प्रति एकड़ (1 हेक्टेयर = 2.5 एकड़) और 23,495 रुपये प्रति हेक्टेयर (9,398 रुपये प्रति एकड़) था।

अपनी 'खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति: विपणन मौसम 2023-24' में, सी ए सी पी ने कहा कि 2021-22 में समाप्त तीन वर्षों की अवधि के दौरान खेती की लागत ए2 और ए2+एफएल पर धान का सकल प्रतिलाभ पंजाब में सबसे अधिक था जो कि क्रमशः 88,287 रुपये प्रति हेक्टेयर व 82,037 रुपये प्रति हेक्टेयर था।

धान की खेती के लिए ए2 और ए2+एफएल लागतों पर सकल प्रतिलाभ झारखंड व पश्चिम बंगाल के लिए सबसे कम था जो कि क्रमशः 18,053 रुपये प्रति हेक्टेयर और 2,357 रुपये प्रति हेक्टेयर था।

2021-22 में समाप्त तीन वर्षों की अवधि के दौरान धान की खेती की लागत ए2 और ए2+एफएल पर महाराष्ट्र के किसानों को क्रमशः 13,618 रुपये प्रति हेक्टेयर व 25,344 रुपये प्रति हेक्टेयर का शुद्ध नुकसान उठाना पड़ा।

ज्वार में, ए2 और ए2+एफएल लागतों पर प्रति हेक्टेयर सकल प्रतिलाभ सबसे अधिक आंध्र प्रदेश के लिए क्रमशः 47,010 रुपये और 43,692 रुपये था, जिसका मुख्य कारण काफी अधिक उपज था।

ज्वार में, ए2 लागत पर सबसे कम सकल प्रतिलाभ राजस्थान (14,151 रुपये प्रति हेक्टेयर) के लिए था। ज्वार में, ए2+एफएल लागत पर सबसे कम सकल प्राप्ति महाराष्ट्र (7,019 रुपये प्रति हेक्टेयर)

के लिए थी। ए2+एफएल लागत पर राजस्थान के किसानों को ज्वार की खेती पर 5,597 रुपये प्रति हेक्टेयर का शुद्ध नुकसान हुआ।

अधिक उपज के कारण बाजरा में, ए2 और ए2+एफएल लागतों पर प्रति हेक्टेयर सकल प्रतिलाभ सबसे अधिक गुजरात के लिए क्रमशः 40,735 रुपये और 29,107 रुपये था। बाजरा में ए2 व ए2+एफएल लागतों पर सबसे कम सकल प्रतिलाभ महाराष्ट्र और राजस्थान के लिए क्रमशः 18,047 रुपये प्रति हेक्टेयर व 5,278 रुपये प्रति हेक्टेयर था।

मक्का में, ए2 और ए2+एफएल लागतों पर प्रति हेक्टेयर सबसे अधिक प्रतिलाभ क्रमशः आंध्र प्रदेश में 61,251 रुपये और 56,811 रुपये था, जिसका मुख्य कारण काफी अधिक उपज था।

मक्का में ए2 व ए2+एफएल लागतों पर सबसे कम सकल प्रतिलाभ पंजाब और राजस्थान के लिए क्रमशः 13,258 रुपये प्रति हेक्टेयर व 2,387 रुपये प्रति हेक्टेयर था। ए2+एफएल लागत पर ओडिशा के किसानों को मक्का की खेती पर 922 रुपये प्रति हेक्टेयर का शुद्ध नुकसान हुआ।

रागी की ए2 लागत पर प्रतिलाभ कर्नाटक (18,641 रुपये प्रति हेक्टेयर) के लिए सबसे अधिक और सबसे कम ओडिशा (11,061 रुपये प्रति हेक्टेयर) के लिए था। इस फ़सल की ए2+एफएल लागत पर सबसे अधिक प्रतिलाभ तमिलनाडु (5,525 रुपये प्रति हेक्टेयर) और सबसे कम कर्नाटक (2,773 रुपये प्रति हेक्टेयर) में था। ओडिशा में रागी उगाने वाले किसानों को ए2+एफएल लागत पर प्रति हेक्टेयर 6,412 रुपये का औसत नुकसान हुआ।

2021-22 को समाप्त तीन वर्षों की अवधि के दौरान खरीफ फ़सलों की वास्तविक भुगतान लागत पर अखिल भारतीय औसत सकल प्रतिलाभ (2019-20 से 2021-22 तक औसत)

फ़सल	वास्तविक भुगतान लागत	उत्पादकता का सकल मूल्य	वास्तविक भुगतान लागत पर प्रतिलाभ	
	रुपये प्रति हेक्टेयर		रुपये प्रति हेक्टेयर (कॉलम 3-कॉलम 2)	प्रतिशत (कॉलम 4/ कॉलम 2*100)
कॉलम 1	कॉलम 2	कॉलम 3	कॉलम 4	कॉलम 5
धान	43,990	79,310	35,919	82.8%
ज्वार	27,525	44,592	17,067	62%

बाजरा	19,028	41,087	22,059	115.9%
मक्का	37,498	68,212	30,714	81.9%
रागी	39,443	57,401	17,598	45.5%

स्रोत: सी ए सी पी गणना व्यापक योजना पर आधारित

टिप्पणी 1: आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण औसत सकल प्रतिलाभ मध्य प्रदेश में ज्वार के लिए 2019-20 और 2021-22 और तमिलनाडु में रागी के लिए 2019-20 के लिए है

टिप्पणी 2: अखिल भारतीय खेती की लागत, उत्पादकता का सकल मूल्य और सकल प्रतिलाभ संबंधित राज्यों की खेती की लागत, उत्पादकता का सकल मूल्य व सकल प्रतिलाभ का भारित औसत है

2021-22 को समाप्त तीन वर्षों की अवधि के दौरान खरीफ फ़सलों की वास्तविक भुगतान की गई लागत और पारिवारिक श्रम का संकेतक मूल्य पर अखिल भारतीय औसत सकल प्रतिलाभ (2019-20 से 2021-22 तक औसत)

फ़सल	वास्तविक भुगतान की गई लागत और पारिवारिक श्रम का संकेतक मूल्य	उत्पादकता का सकल मूल्य	वास्तविक भुगतान की गई लागत और पारिवारिक श्रम का संकेतक मूल्य पर प्रतिलाभ	
	रुपये प्रति हेक्टेयर		रुपये प्रति हेक्टेयर (कॉलम 3-कॉलम 2)	प्रतिशत (कॉलम 4/ कॉलम 2*100)
कॉलम 1	कॉलम 2	कॉलम 3	कॉलम 4	कॉलम 5
धान	55,815	79,310	23,495	42.1%
ज्वार	37,377	44,592	7,214	19.3%
बाजरा	32,793	41,087	8,294	25.3%
मक्का	47,964	68,212	20,247	42.2%
रागी	55,124	57,401	2,277	4.1%

स्रोत: सी ए सी पी गणना व्यापक योजना पर आधारित

टिप्पणी 1: आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण औसत सकल प्रतिलाभ मध्य प्रदेश में ज्वार के लिए 2019-20 और 2021-22 और तमिलनाडु में रागी के लिए 2019-20 के लिए है

टिप्पणी 2: अखिल भारतीय खेती की लागत, उत्पादकता का सकल मूल्य और सकल प्रतिलाभ संबंधित राज्यों की खेती की लागत, उत्पादकता का सकल मूल्य व सकल प्रतिलाभ का भारित औसत है